# अगले साल 5 मिडकैप स्टार्स का होगा जलवा

मिडकैप स्टॉक्स के लिए यह साल अच्छा नहीं रहा। इनमें एफआईआई होल्डिंग पांच साल के लोअर लेवल पर पहुंच गई। हालांकि अब इनमें इनवेस्टर्स की दिलचस्पी बढ़ रही है। बीएसई मिडकैप इंडेक्स पिछले 3 महीनों में 15 पर्सेंट चढ़ा है। इसके बावजूद यह 2010 के पीक लेवल से 25 पर्सेंट नीचे है। यह वैसे मिड कैप शेयरों में पैसा लगाने का अच्छा वक्त है, जो अगले साल धमाकेदार रिटर्न दे सकते हैं। हम आपको ऐसी पांच कंपनियों के बारे में बता रहे हैं

**बजाज इलेक्ट्रिकल्स:** पिछले कुछ साल में कंपनी के 3 में से 2 बिजनेस सेगमेंट की ग्रोथ शानदार रही है। कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और लाइटिंग बिजनेस पिछले 5 साल में क्रमशः 25 पर्सेंट और 17 पर्सेंट सीएजीआर से बढ़ा है। ऑपरेटिंग मार्जिन भी डबल डिजिट में है। हालांकि इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) बिजनेस की हालत खराब है। ईपीसी प्रोजेक्ट्स पूरा करने में देरी हो रही है, जिससे उनकी कॉस्ट बढ़ी है। कंपनी फालतू के ईपीसी प्रोजेक्ट्स से निकल रही है। वह अगले दो क्वॉर्टर्स में इसका घाटा उठाएगी। पिछले 3 महीनों में कंपनी का शेयर 8 पर्सेंट चढ़ा है।

**एमआरपीएल:** ओएनजीसी के कंट्रोल वाली मैंगलोर रिफाइनरी को फाइनेंशियल ईयर 2013 और 2014 के पहले 6 महीनों में लॉस हुआ है। प्रोजेक्ट में देरी और करेंसी में उतार-चढ़ाव इसकी वजहें हैं। इसके प्रोजेक्ट 2014 में शुरू होंगे, जिससे कंपनी का ग्रॉस रिफाइनिंग मार्जिन बढ़ेगा। अगले साल के पहले 6 महीनों में कंपनी 4,40,000 टन सालाना कैपेसिटी वाला पॉलीप्रोपलीन प्लांट भी शुरू करेगी। इन सभी प्रोजेक्ट्स से 3-4 डॉलर प्रति बैरल का ग्रॉस रिफाइनिंग मार्जिन मिलने की उम्मीद है। नए प्रोजेक्ट्स से कंपनी के सालाना ऑपरेटिंग प्रॉफिट में 2,300 करोड़ की बढ़ोतरी होगी।

**आईएलएंडएफएस ट्रांसपोर्टेशन नेटवर्क्स:** अभी यह 5,707 किलोमीटर के रोड प्रोजेक्ट्स ऑपरेट करती है। 6,880 किलोमीटर के प्रोजेक्ट्स शुरू होने वाले हैं। हाल ही में 800 करोड़ रुपये प्रेफरेंशियल और राइट्स इश्यू से जुटाए हैं। आने वाले क्वॉर्टर्स में 5 बड़े रोड प्रोजेक्ट्स शुरू होंगे। उसके पास 13,395 करोड़ की ऑर्डर बुक भी है। इससे अगले ढाई साल तक रेवेन्यू का अंदाजा लगता है। वह चीन, सिंगापुर और यूक्रेन में भी है। अगले साल कंपनी का कैश फ्लो बढ़ने की उम्मीद है।

**सिटी यूनियन बैंक:** एसेट क्वॉलिटी अच्छी है। रिटर्न ऑन एसेट्स भी बढ़िया है। पिछले साल नेट इंटरेस्ट मार्जिन (एनआईएम) कम होने के चलते सिटी यूनियन बैंक ने मार्केट से कम रिटर्न दिया। अब कम से कम दो क्वॉर्टर्स तक एनआईएम में कमी आने की आशंका नहीं है। पिछले 5 साल से बैंक का रिटर्न ऑन एसेट्स 1.5 पर्सेंट बना हुआ है। यह छोटे बैंकों में सबसे ज्यादा है। पिछले 3 साल से लोन बुक ग्रोथ भी 25 पर्सेंट से ज्यादा रही है।

**शॉपर्स स्टॉप:** इसके ज्यादा स्टोर मैच्योर हो रहे हैं, जिससे अगले साल रिटेल फर्म का मार्जिन बढ़ सकता है। मैच्योर स्टोर्स का ऑपरेटिंग मार्जिन 8-10 पर्सेंट के बीच होता है, जबकि नए स्टोर्स का 4-5 पर्सेंट। पिछले कुछ साल से कंपनी बिजनेस बढ़ा रही है। सेल्स ग्रोथ में नए स्टोर्स का भी अहम रोल रहा है। हालांकि नए स्टोर खोलने से प्रॉफिट ग्रोथ कम हुई है।